अपने मन की स्थिति के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं होना

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

घर की एनर्जी घर में रहने वालों से बनती है। अब मान लो एक घर में चार लोग रहते हैं। उन चार की मनोस्थिति उस घर की एनर्जी बनाती है। अब वो चार लोग घर से निकलकर ऑफिस जाते हैं। वहाँ उनकी सोच अलग होती है। तो घर और ऑफिस की एनर्जी अलग होती है। वो ही चार लोग शॉपिंग करने जाते हैं या धर्मस्थल पर जाते हैं तो वहाँ की एनर्जी अलग होती है। धर्मस्थलों की एनर्जी कैसे बनती है? हम वहाँ जाते हैं और परमात्मा को याद करते हैं, धन्यवाद देते हैं, शान्ति, क्षमा, सहयोग, शक्ति ऐसी बातें करते हैं, तो उस स्थान के वायब्रेशन हाई हो जाते हैं।

जब कोई एक आता है उस स्थान पर जिसका मन बहुत परेशान होता है। वो तो भगवान को भी याद नहीं कर पा रहा, इस समय वो इतना परेशान है। यह भी हो सकता है कि वो भगवान से नाराज़ हो। उसके जीवन में बहुत कुछ गलत हुआ है। उसको लगता है इसका ज़िम्मेदार भगवान है। वो गुस्से में उस धर्मस्थान पर पहुंचता है। लेकिन जैसे ही वो वहाँ पहुंचता है, उसे सुकून मिलता है। वो सुकून उसको उस स्थान के वायब्रेशन ने दिया। लेकिन वो वायब्रेशन किसने बनाया? वो सारे लोग जो वहाँ जाकर परमात्मा को याद करके अच्छे वाले वायब्रेशन क्रिएट कर रहे थे। इससे स्थान की हाई एनर्जी बन जाती है। दूर-दूर से लोग वहाँ जाने के लिए क्यों आते हैं? क्योंकि वहाँ के वायब्रेशन, वहाँ की ऊर्जा से उन्हें सुकून मिलता है।

जिनका रोल है हमें संभालने का, वो तो अपना जीवन रिस्क पर लगाकर बाहर हैं। हम सिर्फ घर पर बैठकर क्या कर रहे हैं। हमारी सिर्फ छोटी-सी ज़िम्मेदारी है- अपने-अपने मन का ध्यान रखना। अपने-अपने मन का ध्यान रखकर वायब्रेशन को इतना ऊंचा उठाना है कि पूरे देश की एनर्जी चेंज हो जाए। उससे पूरे विश्व की एनर्जी चेंज हो जाए। जब वायब्रेशन चेंज हो जाएंगे, जब मन की स्थिति चेंज हो जाएगी, तो पहले मन सुरक्षित, फिर शरीर का इम्यून सिस्टम ठीक, फिर वो जो वायब्रेशन चेंज होगा, उसका प्रकृति पर भी तो असर पड़ेगा। क्योंकि संकल्प से सृष्टि बनती है। संकल्प से सिद्धि होती है।

हम स्कूल का छोटा-सा एग्ज़ाम देने जाते थे, तब भी हमें सिखाया जाता था कि मन को शान्त रखना। मन शान्त रखोगे तो सारे उत्तर याद आ जाएंगे। अगर मन टेंशन में हो गया तो जो याद था वो भी नहीं आएगा। बचपन से सिखाई गई थी ये बात कि परिस्थिति जब मुश्किल हो तो स्व-स्थिति ठीक होनी चाहिए। जब परिस्थिति अच्छी हो तब टेंशन हो तो कुछ नहीं होगा। लेकिन जब परिस्थिति अच्छी नहीं है तब टेंशन हो तो ये बहुत बड़ा रिस्क हो जाता है।

तो आज से एक एक्सपेरिमेंट। इसको कहेंगे आत्मनिर्भर। आत्मा स्वयं पर निर्भर है। इमोशनल इंडिपेंडेंस का अर्थ क्या है- डिपेंडेंट इनसाइड, मतलब दूसरों पर निर्भर नहीं अपने मन की स्थिति के लिए। तो चाहे मन में कुछ भी हो जाए हम ये नहीं कहेंगे कि उनकी वजह से ऐसा हुआ। आप सिर्फ ये कहना ये मैंने किया। जैसे ही आपने कहा कि ये मैंने क्रिएट किया, तो वह सर्कल पूरा होता है और पॉवर मेरे पास आती है। मान लो कि ऐसा करके आपने अपनी शक्ति ही बचाई है।

आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। भारत के रक्षा मंत्री माननीय राजनाथ सिंह को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए राजयोगी ब्र.कु. दिलीप,शांतिवन। साथ हैं संस्था के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय।

कोलकत्ता-बारानगर(प.ब.)। ब्र.कु. पिंकी को बाबासाहेब अम्बेडकर कल्चरल कॉलेज की तरफ से 'कृति वास स्मृति स्वर्ण पदक' से सम्मानित करते हुए पश्चिम बंगाल सरकार के पूर्व मंत्री, विधायक, तृणमूल के चिकित्सक संगठन के प्रोगेसिव डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. निर्मल कुमार मांझी, कल्चरल कॉलेज के संपादक दिलीप विश्वास द्वारा प्रदान किया गया।

हाथरस-उ.प्र.। नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत महामायानगर पॉलीटैक्निक ऑफ इन्फोमेशन एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता बहन, ब्र.कु. दिनेश, ब्र.कु. गजेन्द्र, प्राचार्य नीरज कुमार, प्रवक्ता राकेश कुमार शर्मा तथा युवागण।

पठानकोट-पंजाब। विश्व जल दिवस पर आयोजित सेमिनार का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए नरेश महाजन एक्शियन, कलाकार सुरेश मनचन्दा, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सत्या दीदी, ब्र.कु. रीटा,सुजानपुर, ब्र.कु. प्रताप तथा अन्य।

फिरोज़ाबाद-उ.प्र.। नवरात्रि के अवसर पर सजाई चैतन्य देवियों की झांकी का उद्घाटन करने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरिता, एडवोकेट अनुप चन्द्र जैन, श्री देवी चरण अग्रवाल,बिज़नेसमैन, नीरज पटेल,टैक्स ऑफिसर,नगर निगम तथा अन्य।

रूरा-उ.प्र.। द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन आध्यात्मिक मेला का रिबन काटकर उद्घाटन करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष रामजी गुप्ता, लखनऊ कृषि भवन के पूर्व निदेशक बद्री विशाल तिवारी, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. प्रेम, ब्र.कु. बिमलेश, ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. श्याम, भाजपा नेत्री श्रवण गुप्ता तथा अन्य भाई-बहनें।

पटना सिटी-हाजीगंज(बिहार)। भारतीय स्टेट बैंक,पटना सिटी के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक आदित्य शादाब को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बबीता। साथ हैं ब्र.कु. रानी,पंचवटी कॉलोनी।

भद्रक-ओडिशा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मूल्यनिष्ठ समाज गठन के लिए समाजसेवी सोफिया शेक को सम्मानित करते हुए जिलापाल दिलीप राउतराय एवं ब्र.कु. मंजू बहन। साथ हैं पूर्व लोकायुक्त अध्यक्ष देवव्रत स्वांई और प्रिंसिपल हरिहर दास।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on

E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000

Website: www.omshantimedia.org